Adda247 GET IT ON Google Play

Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

This Booklet contains **16** printed pages.
इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं ।

MAK-23-II

PAPER II / प्रश्न-पत्र II
PART IV & V / भाग IV & V
Sanskrit Language Supplement
संस्कृत भाषा परिशिष्ट

Test Booklet Code
परीक्षा पुस्तिका कोड

H

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।

For instructions in Sanskrit see Page 2 of this booklet. / संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **or** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **H**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V consisting of **60** Objective Type Questions, and each carries 1 mark :

   Part IV : Language I – (SANSKRIT) *(Q. Nos. 91 – 120)*

   Part V : Language II – (SANSKRIT) *(Q. Nos. 121 – 150)*
7. Part IV contains 30 questions for Language I and Part V contains 30 questions for Language II. In this Test Booklet, only questions pertaining to SANSKRIT language have been given. **In case the language(s) you have opted for as Language I and/or Language II is a language other than SANSKRIT, please ask for a Supplement (Language) Test Booklet of H Code that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form. No change in languages is allowed.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Language II (Part V) in a language other than the one chosen as Language I (Part IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं** ।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें ।
5. इस भाषा पुस्तिका का **कोड H** है । यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का कोड, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य प्रश्न पुस्तिका पर छपे कोड से मिलता है । अगर यह भिन्न हो तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग IV : भाषा I – (संस्कृत) *(प्रश्न सं. 91 – 120)*

   भाग V : भाषा II – (संस्कृत) *(प्रश्न सं. 121 – 150)*
7. भाग IV में भाषा I के लिए 30 प्रश्न और भाग V में भाषा II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल **संस्कृत** भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं । **यदि भाषा I और/या भाषा II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है/हैं, तो कृपया H कोड वाली उस भाषा वाली परिशिष्ट (भाषा) परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए । भाषाओं का परिवर्तन अनुमन्य नहीं है ।**
8. **परीक्षार्थी भाषा II (भाग V) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है ।

Name of the Candidate (in Capital Letters) : ______________________
परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :

Roll Number (अनुक्रमांक) : in figures (अंकों में) ______________________

: in words (शब्दों में) ______________________

Centre of Examination (in Capital Letters) : ______________________
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :

Candidate's Signature : ______________ Invigilator's Signature : ______________
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : निरीक्षक के हस्ताक्षर :

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ______________________

Adda247
Test Prime
ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION
1,00,000+ Mock Tests
Personalised Report Card
Unlimited Re-Attempt
600+ Exam Covered
25,000+ Previous Year Papers
500% Refund
IBPS
NABARD
ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

अस्यां पुस्तिकायां 16 मुद्रांकितपृष्ठानि सन्ति ।

MAK-23-II

प्रश्नपत्रम् II
भागाः IV एवं V
संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

परीक्षा-पुस्तिका-कोडकम्

H

यावन्न कथ्यते तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया ।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः ।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न** तु **द्वयोः भागयोः** ।
2. परीक्षार्थिभिः भाग I एवं भाग II **अथवा** III उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः ।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः । भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते ।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील/कृष्णवर्णिकायाः बॉल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः ।
5. अस्याः भाषापुस्तिकायाः कोडकं **H** वर्तते । एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषापरिशिष्ट-पुस्तिकायाः कोडकम् उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन कोडतेन साम्यं भजति । एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते । यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु ।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः – IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति **:**
   भागः IV : भाषा I — (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*
   भागः V : भाषा II — (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति । अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् **संस्कृत**भाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति । **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृतात् पृथक् भाषे चिते, कृपया H भागतः तद्भाषासम्बद्धा परिशिष्ट(भाषा)परीक्षापुस्तिका याचनीया । यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत् । भाषाणां परिवर्तनम् अनुमान्यं नास्ति ।**
8. **परीक्षार्थिभिः भाषा II (भाग V) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात् ।**
9. रफ़ कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् निर्धारितस्थाने एव कार्यम् ।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि । सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम् । उत्तरं परिवर्तितुं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः ।

परीक्षार्थिनः नाम : ______________________

अनुक्रमाङ्कः : अङ्केषु ______________________

: शब्देषु ______________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ______________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ______________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ______________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________

Adda247 GET IT ON Google Play

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि तदैव दद्युः यदा तैः **भाषा – I** स्थाने विकल्परूपेण **संस्कृतं** चितं स्यात् ।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

भागः IV
भाषा I
संस्कृतम्

निर्देशः : सर्वाधिकं समीचीनं विकल्पं चित्वा निम्नलिखितप्रश्नानाम् (प्रश्नसङ्ख्या 91 – 105) उत्तरं दीयताम् ।

91. अध्यापकः छात्रान् समूहेषु विभाजयति, तदा हस्तिनां विषये काम् अपि कथां श्रावणातपूर्वं हस्तिनां विषये प्रश्नोत्तरीं कर्त्तुं कथयति । अध्यापकस्य उद्देश्यम् अस्ति –

(1) पाठ्यविवरणं लेखितुम्

(2) स्मृतिपरीक्षा

(3) समवर्गिने प्रतिपुष्टिं दातुम्

(4) कस्मिन्नपि विषये रुचिम् उत्पादयितुम्

92. भाषा-कक्षायाम् कश्चित् छात्रः कक्षायां व्यवधानं करोति । अध्यापकेन स्व दायित्वं निर्वोढुं व्यवधानकारिणं छात्रं वारयितुं एतत्कर्त्तव्यम् –

(1) उपायं कर्त्तुं पितरौ अवलम्बयेत्

(2) छात्रस्य व्यवहारं विद्यालय-अधिकरिणे प्रतिवेदयेत्

(3) परिश्रमि-छात्रान् संबोधयेत्

(4) प्रथमं उपायार्थं छात्रैः सह संवदेत्

93. यदा छात्राः “विचारान् उत्तेजयन्ति, संगठितान् कुर्वन्ति, प्रारूपं निर्मान्ति सम्पादयन्ति तथा संशोधनं कुर्वन्ति”, तदा एषा प्रक्रिया कीदृशं कौशलं कथ्यते ?

(1) लेखनकौशलम्

(2) श्रवणकौशलम्

(3) भाषणकौशलम्

(4) पठनकौशलम्

94. *कथनम् (A) :*
पठनकौशलं लेखनकौशलं च प्राथमिकस्तरे तर्कपूर्णचिन्तने सहायतां करोति ।
कारणम् (R) :
तर्कपूर्णचिन्तनं पठन-लेखन-कौशलयोः उपकौशलम् अस्ति ।

निम्नलिखितविकल्पेषु समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A) सत्यं नास्ति, परं (R) सत्यम् अस्ति ।

(2) (A) सत्यम् अस्ति, परं (R) सत्यं नास्ति ।

(3) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्तः तथा (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानम् अस्ति ।

(4) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्तः, परं (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानं ***नास्ति*** ।

95. भाषाकौशलानि केन विधिना सम्यक् शिक्ष्यन्ते ?

(1) यदि तानि समन्वितविधिना प्रयुज्यन्ते

(2) केवलं लेखनपरीक्षाभिः दत्तकार्यैश्च

(3) एकस्मिन समये यदि अध्यापकः एकस्मिन्नेव कौशले दत्तावधानः भवति

(4) कठिनानां यान्त्रिकाणां च अभ्यासानां सहायतया

96. एतद् ज्ञातुं यत् छात्राः वर्णनात्मककौशलम् अवगच्छन्ति न वा, छात्राः एतत्कर्तुं निर्देष्टव्याः –

(1) वर्णनात्मकशब्दानां प्रयोगे त्रुटीः संशोधयेयुः ।

(2) कथापठनं कुर्वन्तु तथा अर्थबोध सम्बन्धितान् प्रश्नान् उत्तरेयुः ।

(3) पाठे क्रियारूपाणि, विशेषणरूपाणि च गोलबद्धानि कुर्वन्तु ।

(4) कस्याः अपि विचित्रघटनायाः अन्यैः सहभागिनः भवेयुः ।

97. सप्तमीकक्षायाः अध्यापकः निर्धारित पाठ्यपुस्तकेभ्यः अन्यानि पठनपुस्तकानि प्रददाति । स संवर्धयति –

(1) विस्तृत-पठनम्

(2) निर्दिष्ट पठनम्

(3) सहपठनम्

(4) गहन-अध्ययनम्

Adda247 GET IT ON Google Play

98. प्राचार्यः भाषा-अध्यापकं नवीनसत्रार्थं पाठ्यपुस्तकानि, अन्यानि च साधनानि चेतुं कथयति । तेषां चयने किं सम्बद्धं ***नास्ति*** ?

(1) छात्राणां स्तरः

(2) विचारात्मक-जटिलता, सामग्री-गहनता च

(3) शिक्षण-आवश्यकता तथा छात्रैः ज्ञाता भाषाः

(4) पाठ्यपुस्तकानां साधनानाम् च ग्राह्यता

99. छात्रैः प्रयोगार्थं भाषासामग्र्याः विकासाय अध्यापकः मानक-मानदण्डान् निर्धारितवान् । कतमाः मानदण्डा सर्वप्रमुखा सन्ति तथा सामग्र्याः मूल्यांकने सहायका सन्ति ।

(1) निरीक्षणम्, प्रतिपुष्टि सत्राणि एवं लिखित-प्रतिवेदनानि

(2) निरीक्षणम्, अवधारणाः तथा शिक्षणस्य परिणामाः

(3) प्रयोगार्हता, पुनरावृत्तिः एवं सूक्तीनाञ्च उत्पादनम्

(4) सामग्र्याः प्रस्तुतिः, सज्जीकरणं एवं चाभ्यासः

100. अध्यापकः षष्ठीकक्षायां शीर्षकैः सह चलचित्रं प्रादर्शयत् । चलचित्रं पाठ्यपुस्तकस्य एकम् अध्यायम् आश्रितम् आसीत् । शीर्षकैः सह चलचित्रं किं प्रोत्साहार्यष्यति ?

(1) एतादृशानि चलचित्राणि छात्रैः पुनर्वीक्षणम्

(2) शब्दसंकेतेः श्रवणप्रविधिं, तथा च अभिनेतॄणां कार्याणि, तेषां विषये समीक्षालेखनम् च

(3) सक्रिय-वीक्षणं श्रवणं च

(4) प्रविधिश्रवणं, सक्रिय-वीक्षणं तथा च प्रामाणिक भाषासामग्रीं प्रयोक्तुं छात्राणां प्रेरणम्

101. *कथनम् (A) :*

बालकः प्रारम्भिके बाल्यकाले संज्ञारूपेभ्यः अधिकतरं क्रियारूपाणि प्रयुज्यते व्याकरणस्य रूपाणि च अवहेलयति ।

कारणम् (R) :

तेषां शब्दावलि-क्षेत्रं नास्ति ।

निम्नलिखितेषु विकल्पेषु समुचितं विकल्पं चित्वा उत्तर दीयताम् ।

(1) (A) असत्यम् अस्ति, परं (R) सत्यम् अस्ति ।

(2) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्तः तथा (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानम् अस्ति ।

(3) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्तः, परं (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानं ***नास्ति*** ।

(4) (A) सत्यम् अस्ति, परं (R) असत्यम् अस्ति ।

102. एकः बालकः भाषाकक्षायाः अनुभवान् स्वमात्रैः सह संवदति । स कथयति यत् यदा-कदा वयं स्व चक्षूंषि निमीलयामः । अध्यापकः तदा अध्यापकः स्यूते (Bag) रक्षितं एकं पदार्थं ग्रहितुं कथयति । तदा वयं तस्य विवरणं दातुं प्रयतामहे । वस्तुतः शिक्षणास्य अयं उपायः सुष्ठु वर्तते ।

तस्य टिप्पणी शिक्षणस्य तस्य वरीयतां प्रदर्शयति । तस्य वरीयता कास्ति ?

(1) यदा, अहं भाषां अनुवदामि तदा अहं भाषां सम्यक् स्मरामि ।

(2) यदा अहं भाषां पश्यामि तदा भाषां सम्यक् स्मरामि ।

(3) यदा अहं भाषां सम्यक् शृणोमि, तदा भाषां सम्यक् स्मरामि ।

(4) यदा अहं गतिं करोमि, तदा अहं भाषां सम्यक् स्मरामि ।

103. छात्रः यत्करोति तस्य उदाहरणं एवं ददाति – “यदि अहं कस्यापि वस्तुनः अर्थं न जानामि तदा अहं तद् वस्तु पश्यामि” इदं उदाहरणं कां पद्धतिं कथयति ?

(1) मस्तिष्कस्य विकृतावस्था

(2) प्रतिष्ठापितामु केन्द्रीकरणम्

(3) अभ्यासार्थं अवसराणाम् उपयोगः

(4) सन्दर्भसामग्र्याः प्रयोगः

104. निदानात्मक परीक्षायाः प्रयोगः निम्नलिखितेषु किं मूल्याङ्कितं करोति –

(1) उपलब्धिक्रमेण छात्राणां पदनिर्धारणम्

(2) छात्राणां भाषायां बलं दुर्बलतां च

(3) भाषा-त्रुटीः ज्ञातुं छात्राणां योग्यताम्

(4) पाठ्यपुस्तकस्य मुख्यविषयाणां सारनिर्माणस्य छात्राणां योग्यताम्

105. सक्षमतापरीक्षा निम्नलिखितं मूल्याङ्कितं करोति –

(1) बहुसंवेदनात्मकान् (multisensory) शिक्षण-अनुभवान्

(2) दैनिकवार्तालापस्य भाषाम्

(3) छात्रान् अध्यापितां भाषाम्

(4) छात्रैः प्राप्तं भाषास्तरम्

Adda247 GET IT ON Google Play

निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 106 – 114) विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।

एकदा दशबालकाः स्नानाय नदीम् अगच्छन् । ते निर्मले शीतले च नदीजले चिरं स्नानम् अकुर्वन् । ततः ते तीर्त्वा पारं गताः । तदा तेषां नायकः अपृच्छत् — अपि सर्वे बालकाः नदीम् उत्तीर्णाः ? इति ।

तदा कश्चित् बालकः अगणयत् — एकः, द्वौ, त्रयः, चत्वारः, पञ्च, षट्, सप्त, अष्टौ, नव इति । सः स्वं न अगणयत् । अतः सः अवदत् — नव एव सन्ति । दशमः न अस्ति इति । अपरः अपि बालकः पुनः अन्यान् बालकान् अगणयत् । तदा अपि नव एव आसन् । अतः ते निश्चयम् अकुर्वन् यत् दशमः नद्यां मग्नः इति । ते दुःखिताः तूष्णीम् अतिष्ठन् ।

तदा कश्चित् पथिकः तत्र आगच्छत् । सः तान् बालकान् दुःखितान् दृष्ट्वा अपृच्छत् — बालकाः युष्माकं दुःखस्य कारणं किम ? इति । बालकानां नायकः अकथयत् — वयं दश बालकाः स्नातुम् आगताः । इदानीं नव एव स्मः । एकः नद्यां मग्नः इति ।

पथिकः तान् अगणयत् । तत्र दश बालकाः एव आसन् । सः नायकम् आदिशत्-त्वं बालकान् गणय इति । सः तु नव बालकान् एव अगणयत् । तदा पथिकः अवदत् – दशमः त्वम् असि इति ।

तत् श्रुत्वा प्रहृष्टाः भूत्वा सर्वे गृहम् अगच्छन् ।

106. बालकाः किं तीर्त्वा पारं गताः ?

(1) समुद्रम्

(2) नदीम्

(3) जलाशयम्

(4) वनम्

107. बालकाः किं निश्चयम् अकुर्वन् ?

(1) गृहाद् एव नव बालकाः समागता आसन् ।

(2) यत् ते सर्वे सुरक्षिता सन्ति ।

(3) यत् दशमः बालकः नद्यां मग्नः ।

(4) यत् ते केवलं अष्टौ एव सन्ति ।

108. बालकानाम् केन शुद्धा गणना कृता ?

(1) प्रथमेन बालकेन

(2) नायकेन

(3) द्वितीयेन बालकेन

(4) पथिकेन

109. कस्य वचनं श्रुत्वा प्रसन्नाः भूत्वा बालकाः गृहम् गतवन्तः ?

(1) पथिकस्य

(2) नायकस्य

(3) प्रथमगणकस्य

(4) अध्यापकस्य

110. 'मग्नः' इत्यस्य शब्दस्य अत्र कोऽर्थः ?

(1) संलग्नः

(2) प्रसन्नः

(3) खिन्नः

(4) जले निमग्नः

111. 'अन्य' शब्दस्य अर्थे गद्यांशे कः शब्दः अपि प्रयुक्तः ?

(1) नायकः

(2) तूष्णीम्

(3) अपरः

(4) पथिकः

112. निम्नलिखितेषु कः शब्दः लङ् लकारस्य नास्ति ?

(1) गणय

(2) अगच्छन्

(3) अवदत्

(4) अगणयत्

Adda247 GET IT ON Google Play

113. 'युष्माकम्' शब्दस्य व्युत्पत्ति: दोयताम् ?

(1) एतद् + षष्ठी बहुवचनम्

(2) अस्मद् + षष्ठी बहुवचनम्

(3) त्वत् + षष्ठी बहुवचनम्

(4) युष्मद् + षष्ठी बहुवचनम्

114. 'उत्तीर्ण:' इत्यस्मिन् पदे क: धातु: क: प्रत्यय: ?

(1) तृ + क्त्वा

(2) तीर् + णिच्

(3) तृ + क्त

(4) तीर् + क्त

निर्देश: : *अधोलिखितान् श्लोकान् पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 115 – 120) विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।*

शान्तितुल्यं तपो नास्ति न सन्तोषात्परं सुखम् ।
न तृष्णाया: परो व्याधिर्न च धर्मो दयापर: ।।1।।

दृष्टिपूतं न्यसेत्पादं वस्त्रपूतं जलं पिबेत् ।
शास्त्रपूतं वदेद् वाक्यं मन:पूतं समाचरेत् ।।2।।

तावद् भयाद्धि भेतव्यं यावद् भयमनागतम् ।
आगतं तु भयं दृष्ट्वा नर: कुर्याद् यथोचितम् ।।3।।

माता शत्रु: पिता वैरी येन बालो न पाठित: ।
न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा ।।4।।

रूपयौवनसम्पन्ना विशालकुलसम्भवा: ।
विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुका: ।।5।।

115. सन्तोषात् परं किम् नास्ति ?

(1) धनम्

(2) अकर्मण्यम्

(3) प्रमाद:

(4) सुखम्

116. कीदृशं जलं पिबेत् ?

(1) मिष्टम्

(2) वस्त्रपूतम्

(3) मन्त्रपूतम्

(4) संक्रमणरहितम्

117. आगतं भयं दृष्ट्वा नर: किं कुर्यात् ?

(1) यथोचितम् कुर्यात्

(2) पलायेत्

(3) कुत्रचिद् निगूहेत्

(4) शस्त्रै: युध्येत

118. 'शान्तितुल्यम्' इत्यस्मिन् प्रयोगे क: अलङ्कार: ?

(1) श्लेष:

(2) उपमा

(3) दृष्टान्त:

(4) अनुप्रास:

119. 'येन बालो न पाठित:' वाक्यम् इदम् कस्य वाच्यस्य ?

(1) भावकर्मवाच्यस्य

(2) कर्तृवाच्यस्य

(3) कर्मवाच्यस्य

(4) भाववाच्यस्य

120. 'वस्त्रपूतम्' इत्स्मिन प्रयोगे सविग्रह: समास: निर्दिश्यताम् ?

(1) वस्त्राणि पूतानि यस्य – बहुव्रीहि:

(2) वस्त्राय पूतम् – चतुर्थी तत्पुरुष:

(3) वस्त्रं च पूतम् – द्वन्द्व समास:

(4) वस्त्रेण पूतम् – तृतीया तत्पुरुष:

Adda247
GET IT ON Google Play

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि तदैव दद्युः यदा तैः **भाषा – II** स्थाने विकल्परूपेण **संस्कृतं** चितं स्यात् ।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

भागः V
भाषा II
संस्कृतम्

निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 121 – 127) विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।

पुरा एकस्मिन् वृक्षे एका चटका प्रतिवसति स्म । कालेन तस्याः सन्ततिः जाता । एकदा कश्चित् प्रमत्तः गजः तस्य वृक्षस्य अधः आगत्य तस्य शाखां शुण्डेन अत्रोटयत् । चटकायाः नीडं भुवि अपतत् । तेन अण्डानि विशीर्णानि । अथ सा चटका व्यलपत् । तस्याः विलापं श्रुत्वा काष्ठकूटः नाम खगः दुःखेन ताम् अपृच्छत् – 'भद्रे, किमर्थं विलपसि ?' इति ।

चटकावदत् – 'दुष्टेनैकेन गजेन मम सन्ततिः नाशिता । तस्य गजस्य वधेनैव मम दुःखम् अपसरेत् ।' ततः काष्ठकूटः तां बीणारवा-नाम्न्याः मक्षिकायाः समीपम् अनयत् । तयोः वार्तां श्रुत्वा मक्षिकावदत् – 'ममापि मित्रं मण्डूकः मेघनादः अस्ति । शीघ्रं तमुपेत्य यथोचितं करिष्यामः ।' तदानीं तौ मक्षिकया सह गत्वा मेघनादस्य पुरः सर्वं वृत्तान्तं न्यवेदयताम् ।

मेघनादः अवदत् – 'यथाहं कथयामि तथा कुरुतम् । मक्षिके ! प्रथमं त्वं मध्याह्ने तस्य गजस्य कर्णे शब्दं कुरु, येन सः नयने निमील्य स्थास्यति । तदा काष्ठकूटः चञ्च्वा तस्य नयने स्फोटयिष्यति । एवं सः गजः अन्धः भविष्यति । तृषार्तः सः जलाशयं गमिष्यति । मार्गे महान् गर्त्तः अस्ति । तस्य अन्तिके अहं स्थास्यामि शब्दं च करिष्यामि । मम शब्देन तं गर्तं जलाशयं मत्वा सः तस्मिन्नेव गर्ते पतिष्यति मरिष्यति च ।'

अथ तथाकृते सः गजः मध्याह्ने मण्डूकस्य शब्दम् अनुसृत्य महतः गर्तस्य अन्तः पतितः मृतः च । तथा चोक्तम् –

'बहूनामप्यसाराणां समवायो हि दुर्जयः ।'

121. प्रमत्तः गजः किम् अकुर्वत् ?

(1) काष्ठकूटं खगम् अमारयत्

(2) शाखां शुण्डेन अत्रोटयत्

(3) वृक्षं अत्रोटयत्

(4) चटकायाः अण्डानि अभञ्जयत्

122. मेघनादः कस्य नाम आसीत् ?

(1) चटकस्य

(2) गजस्य

(3) खगस्य

(4) मण्डूकस्य

123. काष्ठकूटः चटकां कस्य समीपम् अनयत् ।

(1) जलाशयस्य समीपम्

(2) मण्डूकस्य समीपम्

(3) मक्षिकायाः समीपम्

(4) गजस्य समीपम्

124. 'अन्तिके' इत्यस्य शब्दस्य निम्नलिखितेषु कोऽर्थः ?

(1) समीपम्

(2) वृत्तान्तः

(3) सायंकाले

(4) मार्गे

Adda247 GET IT ON Google Play

125. 'मत्वा' शब्दस्य निर्वचनम् निम्नलिखितेषु किम् अस्ति ?

(1) मा + त्वा

(2) मन् + क्त्वा

(3) मत् + क्त्वा

(4) मत् + वा

126. 'तृषार्त:' इत्यस्य शब्दस्य विग्रहं कृत्वा समासस्य नाम दीयताम् ।

(1) तृषायै आर्त: चतुर्थी तत्पुरुष:

(2) तृषाया: आर्त: पञ्चमी तत्पुरुष:

(3) तृषया आर्त: तृतीया तत्पुरुष:

(4) तृषया आर्त: य स: तृषार्त: बहुव्रीहि:

127. 'यथोचितम्' अत्र सन्धिविच्छेदं कृत्वा सन्धेर्नाम निर्दिश्यताम् ।

(1) यथा + औचित्यम् वृद्धिसन्धि:

(2) यथा + उचितम् गुणसन्धि:

(3) यथा + उचितम् वृद्धिसन्धि:

(4) यथा + ओचितम् गुणसन्धि:

निर्देश: *: अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 128 – 135) विकल्पात्मकोत्तरेषु: उचिततमम् उत्तरं चिनुत ।*

नर्मदातीरे एक: वृक्ष: आसीत् । तत्र स्वपरिश्रमेण निर्मितेषु नीडेषु खगा: सुखेन वसन्ति स्म । तत्र वृक्षतले कश्चित् वानर: अपि वसति स्म । एकदा महती वृष्टि: अभवत् । स: वानर: वृष्टिजलेन अतीव आर्द्र: कम्पित: च अभवत् । खगा: शीतेन कम्पमानं वानरम् अवदन् — भो वानर ! त्वं कष्टम् अनुभवसि । तत् कथं गृहस्य निर्माणं न करोषि ! यदा स: वानर: एतत् अश्रृणोत् तदा स: अचिन्तयत् – अहो ! एते क्षुद्रा: खगा: मां निन्दन्ति । स: वानर: खगानां नीडानि वृक्षात् अध: अपातयत् । खगानां नीडै: सह तेषाम् अण्डानि अपि नष्टानि । सत्यम् एव उक्तम् —

उपदेशो हि मूर्खाणां प्रकोपाय न शान्तये ।

128. खगा: कुत्र अवसन् ?

(1) वृक्षगुल्मेषु

(2) नीडेषु

(3) वृक्षमूले

(4) शाखासु

Adda247 GET IT ON Google Play

129. वानर: कुत्र वसति स्म ?

(1) सघनपत्रेषु

(2) जीर्णगृहेषु

(3) मन्दिरेषु

(4) वृक्षतले

130. एकदा किम् अभवत् ?

(1) भूकम्प: समागच्छत्

(2) तीव्रवायुवेगात् वृक्ष: पतित:

(3) वृक्षस्य शाखा: त्रुटिता:

(4) महती वृष्टि: संजाता

131. कीदृशं वानरं खगा: अवदन् ?

(1) शीतेन कम्पमानम्

(2) शाखासु वसन्तम्

(3) फलानि खादन्तम्

(4) जलं पिबन्तम्

132. गद्यांशे प्रयुक्तस्य नीडशब्दस्य पर्यायवाची निम्नलिखितेषु क: शब्द: समीचीन: ?

(1) कुलाय:

(2) वास:

(3) निवासस्थानम्

(4) वसति:

133. 'शाखामृग:' इत्यस्य अर्थे गद्यांशे क: शब्द: प्रयुक्त: ?

(1) वानर:

(2) खग:

(3) नीड:

(4) आर्द्र:

134. 'कम्पमानम्' इत्यस्मिन् पदे क: कृत्प्रत्यय: प्रयुक्त: ?

(1) कानच्

(2) शतृ

(3) शानच्

(4) मानच्

135. 'अचिन्तयत्' क्रियापदम् इदम् कस्य गणस्य धातो: रूपम् अस्ति ?

(1) तुदादिगणस्य

(2) भ्वादिगणस्य

(3) चुरादिगणस्य

(4) दिवादिगणस्य

निर्देश: *: सर्वाधिकं समीचीनं विकल्पं चित्वा निम्नलिखितप्रश्नानाम् (प्रश्नसङ्ख्या 136 – 150) उत्तरं दीयताम् ।*

136. *कथनम् (A) :*

भारतवर्षे आंग्लभाषा सहभाषा वर्तते ।

कारणम् (R) :

भारतीयविद्यालयेषु आंग्लभाषा विदेशीभाषारूपेण पाठ्यते ।

निम्नलिखितेषु समीचीनम् उत्तरं चिनुत ।

(1) (A) असत्यम् अस्ति, परं (R) सत्यम् अस्ति ।

(2) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्त: तथा च (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानम् अस्ति ।

(3) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्त:, परं (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानं ***नास्ति*** ।

(4) (A) सत्यम् अस्ति, परं (R) असत्यम् अस्ति ।

Adda247 GET IT ON Google Play

137. निम्नलिखितेषु किं भाषाया: विशेषता ***नास्ति*** ?

(1) भाषा सामाजिकी अस्ति ।

(2) भाषा व्यवस्थिता अस्ति ।

(3) भाषा स्थिरा अस्ति ।

(4) भाषा सांकेतिकी अस्ति ।

138. *कथनम् (A) :*

पूर्वज्ञानस्य स्मृत्यर्थं छात्राणां प्रेरणम् महत्त्वपूर्णम् अस्ति ।

कारणम् (R) :

पूर्वज्ञानस्य स्मृति: पूर्वज्ञानं नवीनज्ञानेन सह योजने छात्राणां सहायतां करोति ।

निम्नलिखितेषु समीचीनम् उत्तरं चिनुत ।

(1) (A) असत्यम् अस्ति, परं (R) सत्यम् अस्ति ।

(2) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्त: तथा (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानम् अस्ति ।

(3) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्त:, परं (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानं ***नास्ति*** ।

(4) (A) सत्यम् अस्ति, परं (R) असत्यम् अस्ति ।

139. अष्टमीकक्षाया: अध्यापक: स्वछात्रान् गृहे ऊर्जासंरक्षणविषये दत्तकार्यरूपे (Assignment) पत्रकं प्रस्तौतुं कथयति । इदं कार्यं भाषायां कां विशेषतां वर्धयिष्यते ?

(1) तुलनात्मकम् वाक्यम्

(2) भूतकालम्

(3) सकारात्मक-आज्ञार्थकवाक्यम्

(4) प्रश्नरूपाणि

140. पाठ-सज्जीकरणान्तर्गते एकम् उद्देश्यम् इदम् अस्ति यत् छात्र: ग्राहकै: सह व्यापारिकसम्प्रेषणं कुर्यु: । उद्देश्यमिदं निम्नलिखितेषु एकस्य समजातीयमस्ति –

(1) लेख:

(2) पत्रम्

(3) वर्णनम्

(4) प्रतिवेदनम्

141. कश्चिद् अध्यापक: छात्रान् चित्रे चत्वारि संगीतयन्त्राणि द्रष्टुं कथयति तदा चर्चां कर्तुं कथयति यदेतानि भिन्नानि यन्त्राणि केषु-केषु सन्दर्भेषु प्रयुज्यन्ते । संज्ञानात्मकं कौशलं निम्नलिखितेषु विकल्पेषु चिनुत यस्य मेलनं उपरिष्टात् कथितया क्रियया भवति ।

(1) तर्कणम्

(2) कल्पना

(3) लेखनम्

(4) विश्लेषणम्

142. यदा एकभाषीयवक्तार: तस्या: एव भाषाया: औपचारिकस्वरूपाद् अनौपचारिकस्वरूपं गच्छन्ति, तदा तेषां कार्यं कथ्यते –

(1) उपभाषा (Dialects)

(2) समाज-भाषाविज्ञानम् (Sociolinguistics)

(3) कूट-परिवर्तनम् (Code-switching)

(4) कूट-मिश्रणम् (Code-mixing)

Adda247 GET IT ON Google Play

143. छात्राणां स्वसमाजे अनौपचारिक-अन्त:सम्पर्क:, मित्रता परस्परं सम्बन्धाश्च भाषाया निम्नलिखित स्वरूपमाश्रितम् अस्ति ।

(1) भाषा-समाजीकरणम् (Language socialization)

(2) संस्कृतिकरणम् (Enculturation)

(3) समीकरणम् (Assimilation)

(4) अङ्गीकरणम् (Accommodation)

144. शब्दावली-प्रयोगे व्याकरणं छात्राणां कृते निम्नलिखितकार्येषु मार्गप्रदर्शनम् करोति –

(1) उच्चकक्षासु लेखनांशानां औपचारिक-प्रारूपनिर्माणे ।

(2) औपचारिक-परिस्थितिषु शुद्धतया विश्वासेन सह भाषणे ।

(3) निवेशरूपेण शब्दान् श्रुत्वा भाषणसमये पुन: कथने ।

(4) शब्दकोशीयसामग्रीं अर्थपूर्णे तथा सम्प्रेषणीय-अभिव्यक्तौ संयोजने ।

145. छात्राणां अध्ययन-अध्यापन कार्ये निम्नलिखितेषु कक्षायां किं ***न*** साधनम् ?

(1) कक्षा-कार्यविधय: (Classroom procedures)

(2) शब्दभित्ति: (Word wall)

(3) पठनकोण: (Reading corner)

(4) कक्षापुस्तकालय: (Classroom library)

146. *कथनम् (A) :*

व्यक्तिगत शिक्षणाय भाषाशिक्षकेण योजना निर्मातव्या ।

कारणम् (R) :

नवीन भाषाणां शिक्षणे छात्रेषु वैविध्यं वर्तते ।

निम्नलिखितेषु समीचीनम् उत्तरं चिनुत ।

(1) (A) असत्यम् अस्ति, परं (R) सत्यम् अस्ति ।

(2) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्त: तथा च (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानम् अस्ति ।

(3) (A) तथा (R) उभे सत्ये स्त:, परं (R), (A) इत्यस्य समीचीनं व्याख्यानं ***नास्ति*** ।

(4) (A) सत्यम् अस्ति, परं (R) असत्यम् अस्ति ।

147. कस्मिन् प्रविधौ छात्राणां प्रथमा भाषा पाठने मुख्य भूमिकां निर्वहति ?

(1) कार्याधारित-शिक्षणे

(2) प्रत्यक्षप्रविधौ

(3) व्याकरणानुवाद प्रविधौ

(4) सम्प्रेषणात्मक-भाषाशिक्षण प्रविधौ

148. चेतनस्य प्रथमा भाषा भोजपुरी आसीत् । यस्मात् कालात् स तमिलनाडू गतवान् स भोजपुरी न ब्रवीति तथा तद्देशीयै: सह आंग्लभाषां भाषते । यदा नवीना द्वितीया भाषा देशीय भाषां स्थापन्नां करोति । एतद् निम्नलिखितस्य उदाहरणम् अस्ति –

(1) कूटपरिवर्तनस्य

(2) द्विभाषीयताया:

(3) न्यूनीकर्त्री द्विभाषीयताया:

(4) कूटमिश्रणस्य

149. निम्नलिखितेषु किं पूर्व-पठनक्रियां प्रोत्साहयति ?

(1) व्याकरण संरचनाया: पाठनम्

(2) भावानुवादकार्यम्

(3) सम्भाव्यकार्यम्

(4) पाठस्य सारलेखनाय छात्राणां प्रेरणम्

150. संशोधनात्मक-अध्यापनस्य विषये किं सत्यम् अस्ति ?

(1) कार्यप्रगतिं प्रोत्साहयितुं अतिरिक्तअङ्क प्रदानम्

(2) योग्यछात्रेभ्य: अतिरिक्तं ध्यानप्रदानम्

(3) पृष्ठगामिछात्रेभ्य: सहानुभूति: प्रदानम्

(4) कार्यप्रगतिं वर्धितुं सहायताप्रदानम्

SPACE FOR ROUGH WORK

Adda247 GET IT ON Google Play

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीयाः

1. येन प्रकारेण विभिन्नाः प्रश्नाः उत्तरणीयाः सन्ति, तद्विषये परीक्षा पुस्तिकायां विवरणं दत्तमस्ति । प्रश्नानाम् उत्तरदानात् पूर्वं तद्विवरणं सावधानं पठनीयमस्ति ।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः **पृष्ठे-2** केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण **नील/कृष्णवर्णिकया बाल पाइन्ट लेखन्या** प्रपूरणीयम् । एकवारम् उत्तरांकनानन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते ।
3. परीक्षार्थिभिः उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम् । परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत् ।
4. परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः । कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च कोडके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव ।
5. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-कोडक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया ।
6. OMR उत्तरपत्रे निगूढा सूचना (coded information) एकेन कलयन्त्रेण उद्घाटयिष्यते । अतएव काऽपि सूचना अपूर्णा, प्रवेशपत्रे च दत्तायाः सूचनायाः भिन्ना न स्यात् ।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्रीं कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्री परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति ।
8. चलभाषाः, अन्यानि संचारयन्त्राणि (निष्क्रिय-अवस्थायामपि) प्रतिषिद्धवस्तूनि च परीक्षाभवने न आनेतव्यानि । एतेषां निर्देशानाम् अचालनं परीक्षायामनुचितसाधनप्रयोगः मंस्यते तदनुसारं वैधानिकं कार्यं करिष्यते । परीक्षायाः निरस्तीकरणमपि भवितुं शक्यते ।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम् ।
10. केन्द्राधीक्षकः अथवा निरीक्षकस्य अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम् ।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा । यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः । इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम् । **परीक्षार्थी उपस्थितिपत्रे यथोचितस्थाने स्व वामाङ्गुष्ठं योजयेत् ।**
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः ।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः । अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव ।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः ।
15. **परीक्षासमयादनन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यागा पूर्वं उत्तरपत्रं निरीक्षकं अवश्यमेव प्रदास्यन्ति ।** ***परीक्षार्थिनः इमाम् उत्तरपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः ।***

Adda247 GET IT ON Google Play

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue/Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his / her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left-hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room/Hall. *The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें ।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें ।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी । इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए ।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, काग़ज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए । इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित ।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा । **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
13. परीक्षा-हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष/हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें । *परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।***